

प्रेषक,

राजेंद्र सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल,
श्रीनगर गढ़वाल।

शिक्षा अनुभाग-B (तकनीकी)

देहरादून दिनांक 26 अक्टूबर, 2006

विषय- राजकीय महिला पालीटेक्निक अल्मोड़ा में आवासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक -1761/नि.प्रा.शि./प्लान-ई-1/2006-07 दिनांक 21.9.2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय राजकीय महिला पाली0 अल्मोड़ा के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 30प्र0 राजकीय निर्माण निगम इकाई अल्मोड़ा द्वारा गठित आगमन रु0 89.60 लाख के सापेक्ष रु0 88.90 लाख (रुपये अठ्ठासी लाख नब्बे हजार मात्र) के आगमन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इस वित्तीय वर्ष 2006-07 में रु0 20.00 लाख (रुपये बीस लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2- आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हैं, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन /मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 4- कार्य पर उत्तम ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एक मुश्त प्राविधान में कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित दरों/विशिष्टों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूतल-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 8- आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए। एक मद की राशि का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लाया जाए।
- 10- जीपी ड्रयू फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या-2047.XIV-219 (2006) दिनांक 30.5.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 12- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातम् एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाय तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दे।
- 13- यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानाधिकार गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि न किया जाय।
- 14- इस संस्थ में होने वाला व्यव संबंधित वित्तीय वर्ष के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4202- शिक्षा खेलकुद तथा संस्कृति पर मूलीगत परियोजना- 02- तकनीकी शिक्षा- आयोजनागत - 104- बहुशिल्प -00- 03 - राजकीय बहुधनी संस्थाओं के (पुरुष/ महिला) भवन का निर्माण / सुदृढीकरण - 24- वृद्ध निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 15- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1052/वि0 अनु0-3/2006 दिनांक 23-10-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

1. महालेख कार उत्तरांचल देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
3. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी/अल्मोड़ा।
4. परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम, अल्मोड़ा।
5. वित्त अनुभाग-3/ नियोजन अनुभाग।
6. आयुक्त कुनायू मण्डल, नैनीताल।
- ✓ 7. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(संजीव कुमार शर्मा)
अनु सचिव।